उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में चीनी मिलों ने शुरू किया उत्पादन

जयश्री भोसले पुणे

देश में 2018-19 के लिए चीनी का उत्पादन शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश की एक-चौथाई और महाराष्ट्र की 45 पर्सेंट मिलों में गन्ने की पेराई हो रही है। उत्तर प्रदेश में मंगलवार तक 36 चीनी मिलों ने पेराई शुरू की थी। राज्य में इस वर्ष 121 चीनी मिलें उत्पादन करेंगी।

उत्तर प्रदेश के प्रिंसिपल सेक्रेटरी (शुगर डिवेलपमेंट एंड केन डिवेलपमेंट), संजय भूसरेड्डी ने बताया, 'राज्य की कुछ चीनी मिलों ने 27 नवंबर से पेराई शुरू कर दी है और सभी मिलों में 25 नवंबर तक पेराई शुरू हो जाएगी। हालांकि, राज्य में अधिक और देरी से हुई बारिश के कारण गन्ने की यील्ड 10-15 पर्सेंट कम होगी।'2017-18 के लिए गन्ने की बकाया कीमत को नवंबर के अंत तक चुकाया जा सकता है क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार ने शुगर सेक्टर को 4,000 करोड़ रुपये का सॉफ्ट लोन और 4.50 रुपये प्रति क्विंटल की सहायता दी है।

महाराष्ट्र में कोल्हापुर क्षेत्र को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्से में बहुत सी चीनी मिलों ने उत्पादन शुरू कर दिया है। राज्य की कुल 180 चीनी मिलों में से लगभग 80 शुरू हो गई हैं। देश में महाराष्ट्र चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। नेचुरल शुगर एंड अलाइड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन बी बी थॉम्ब्रे ने कहा, 'मराठवाड़ा क्षेत्र की मिलें पिछले दो सप्ताह से चल रही हैं। हालांकि, यील्ड लगभग 30 पर्सेंट है।'

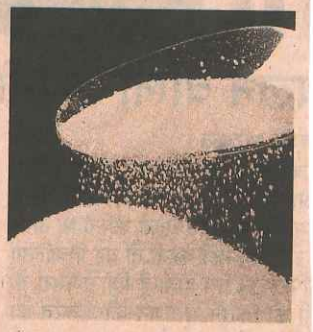

■ उत्तर प्रदेश सरकार ने शुगर सेक्टर को 4,000 करोड़ रुपये का सॉफ्ट लोन और 4.50 रुपये प्रति क्विंटल की सहायता दी है

स्वाभिमानी शेतकारी संगठन ने घोषणा की थी कि जब तक मिलें फेयर एंड रेम्युनरेटिव प्राइस (FRP) से 200 रुपये अधिक कीमत देने के लिए तैयार नहीं होती तब तक वे मिलों को चलने की अनुमति नहीं देंगे। इसी वजह से कोल्हापुर क्षेत्र की चीनी मिलों ने उत्पादन शुरू नहीं किया था।

हालांकि, श्वेतकारी शेतकारी संगठन के संस्थापक और सांसद राजू शेट्टी ने मिल मालिकों के एक किस्त में FRP का भुगतान करने के वादे के बाद अपने विरोध को वापस ले लिया है।

Economic Times
15/11/18

✓ N